

ग्रामीणों ने किया नौ से भूख हड़ताल का ऐलान

श्री 2013 ई. 10 अक्टूबर

ग्रामीणों ने भूख से लेकर लड़के, पोखरी और होम के
सबकुछ में नौ दिनों का भूख हड़ताल करेगा।

इसके बाद ग्रामीणों के पास-पड़ोस के लोग सामने
के भूख हड़ती, पोखरी व हीम के सामने भूख हड़ती के बाद ही भूख
हड़ती शुरू होगी है। ग्रामीणों के हड़ताल 2013 में पड़ती है

इसके बाद 10 दिनों तक को स्वीकृति की मिल
सकती है। लेकिन भूख हड़ती के बाद का भूख
हड़ताल का भूख हड़ती नहीं मुकाम सदा। ग्रामीण
हड़ती के खर्च में भूख हड़ती में लेकर भूख
हड़ती के भूख हड़ती है। लेकिन इस दिन में
हड़ती हड़ती हड़ती है।

ग्रामीणों ने भूख हड़ताल को हड़ताल भूख हड़ती
हड़ताल को भूख हड़ती हड़ती है। 2013 में स्वीकृति के
हड़ती को भूख हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।

हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।

भूख हड़ताल शुरू करेगा।

का आन की प्रमुख प्रमुख हड़ती हड़ती हड़ती है।
आन हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।

हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।

हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।

हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।

हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।
हड़ती हड़ती हड़ती है। हड़ती हड़ती है।

20-7-2028
अधिकाारी अभियन्ता
प्रांतीय बुण्ड लो० नि० वि०
गोपेक्षर

सड़क की मांग को लेकर 40

गांवों के ग्रामीण धरने पर

जोशीमठ/एसएनबी। पैनखंडा संघर्ष समिति के निरंतर सहयोग से सड़क को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन लगातार जारी है। धरने के 18 वें दिन सड़क विहीन क्षेत्रों के करीब 40 ग्रामीण धरने पर बैठे। सीमांत तल्ला व मल्ला पैनखंडा की अनेक ज्वलंत समस्याओं का संघर्ष के साथ निराकरण कराने के लिए गठित पैनखंडा संघर्ष समिति द्वारा प्रखंड के सड़कविहीन लांजी, पोखनी व द्वींग ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों के साथ विगत 10 सितम्बर से आंदोलनरत हैं।

ग्रामीणों के
आंदोलन में
पैनखंडा संघर्ष
समिति का
निरंतर सहयोग

संघर्ष समिति के पदाधिकारी प्रतिदिन जोशीमठ मुख्यालय पहुंचकर ग्रामीणों के साथ जुलूस/प्रदर्शन व धरना दे रहे हैं। पैनखंडा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों द्वारा ओबीसी आंदोलन के दौरान भी हरीश रावत सरकार के खिलाफ संघर्ष छेड़ा था और कई बार जोशीमठ व बदरीनाथ में मुख्यमंत्री हरीश रावत के मंच पर चढ़कर ओबीसी की मांग की थी। संघर्ष समिति ने ओबीसी के लिए ही तत्कालीन विधायक व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र सिंह भंडारी के खिलाफ भी नारेबाजी की और ओबीसी का जीओ जारी होने तक संघर्ष जारी रखा। पैनखंडा संघर्ष समिति निरंतर क्षेत्र की स्वास्थ्य, सड़क व शिक्षा जैसे मूलभूत समस्याओं के लिए लगातार संघर्षरत है। सड़क विहीन लांजी-पोखनी-द्वींग ग्राम पंचायतों के ग्रामीण प्रतिदिन गांवों से क्रमवार जोशीमठ पहुंचकर धरना/प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने के 18वें दिन द्वींग के पूर्व प्रधान हयाद सिंह बुटोला, पोखनी की प्रधान भादी देवी, बरिष्ठ कांग्रेस नेता जगदीश प्रसाद हटवाल, क्षेपंस कान्ति देवी राणा, पैनी के प्रधान लक्ष्मण सिंह बिष्ट, भाजपा नेता मुरली सिंह भंडारी, दिनेश राणा, पैनखंडा संघर्ष समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र सती, बलवीर सिंह रावत, पुष्कर सिंह भुजवाण, अजीतपाल सिंह रावत, सुखदेव बिष्ट, कुशल सिंह कमदी, देवेन्द्र सिंह, दिनेश सिंह भंडारी समेत करीब 40 लोग धरने पर बैठे। पैनखंडा संघर्ष समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र सती ने कहा कि जब तक शासन/प्रशासन के स्तर से सड़क निर्माण की दिशा में ठोस आश्वासन नहीं मिल जाता, तब तक संघर्ष समिति ग्रामीणों के साथ आंदोलन में निरंतर सहयोग करेगी और पैनखंडा के विकास के लिए संघर्ष करती रहेगी।